बिहार दर्शन, सासाराम

दिनांक: 06.05.2021

बरेका केंद्रीय चिकित्सालय के प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी रोगियों के लिए किसी भगवान से कम नहीं

वराणसी, बिहार दर्शन। इंसान अपने कर्मों से ही भगवान या शैतान का दर्जा प्राप्त करता है। भयंकर महामारी के वर्तमान दौर में जहां मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे बंद हैं, वहीं ऐसा प्रतीत होता है कि इन तीर्थ स्थानों से निकलकर देवी-देवता चिकित्सा कर्मियों के रूप में अस्पतालों में विराजमान हो गए हैं और समस्त मानव जाति की सेवा में सन्नद्ध हो गए हैं। इन्हीं में से एक हैं बनारस रेल इंजन कारखाना के प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुजीत मल्लीक। बनारस रेल इंजन कारखाना की महाप्रबंधक अंजली गोयल के कुशल नेतृत्व में दिन-रात लगातार 15-16 घंटे ड्यूटी करने के बावजूद डॉ मल्लीक के चेहरे पर थकान नहीं दिखाई पड़ती । अपने अधीनस्थ चिकित्सकों और चिकित्सा कर्मियों के अस्वस्थ हो जाने पर भी अपेक्षाकृत कम सहयोगियों के साथ ये अपने कर्तव्य पर डटे रहते हैं । मरीजों की तीमारदारी हो अथवा प्रशासनिक कार्य, सहकर्मियों की पीड़ा हो अथवा सार्वजनिक व्यवस्था, सभी मोर्चों पर डॉ मल्लीक सदैव सजग रहते हैं। बरेका केंद्रीय चिकित्सालय को कोविड सेंटर बनाए जाने के बाद बढ़ी हुई जिम्मेदारियों के दृष्टिगत बाहर के भी कोविड मरीजों की देखभाल और बरेका के नियमित मरीजों के लिए अलग से अस्थाई

चिकित्सालय की व्यवस्था तथा उसका सकुशल संचालन एक चुनौतीपूर्ण कार्य है, जिसे डॉ मल्लीक और उनकी टीम पूरी तन्मयता के साथ कर रही है। कोविड वार्ड में मरीजों की देखभाल, 18 वर्ष से अधिक के बरेका कर्मियों, उनके परिजनों एवं बाहरी व्यक्तियों का टीकाकरण, नियमित एवं आकस्मिक मरीजों की चिकित्सा में डॉ मल्लीक जी-जान से जुटे रहते हैं । समर्पित सेवाभाव और चिकित्सक के फर्ज को ऊंचाई प्रदान करने वाले डॉ सुजीत मल्लिक के जज्बे और हौसले के समक्ष सभी बरेकाकर्मी नतमस्तक हैं। महाप्रबंधक महोदया के द्वारा प्रत्येक स्तर पर मिले प्रशासनिक सहयोग से बेहद उत्साहित डॉ मल्लीक सभी को टीकाकरण करवाने, मास्क लगाने, दो गज की दूरी का पालन करने, समय-समय पर हाथ धोने, अपने सामानों को सीनेटाइज करने का सुझाव तो देते हैं, साथ ही यह भी कहते हैं कि -

कोरोना से जीतेंगे हम लड़ाई ,
टीकाकरण में है सबकी भलाई।

आज, कानपुर

दिनांक: 06.05.2021

डाक्टर रोगियों के लिए किसी भगवान से कम नहीं

आज का कानपुर ब्युरो चीफ़ राजेंद्र प्रसाद जायसवाल

वाराणसी।इंसान अपने कर्मों से ही भगवान या शैतान का दर्जा प्राप्त करता है।भयंकर महा मारी के वर्तमान दौर में जहां मंदिर,मस्जिद, गुरुद्वारे बंद हैं,वहीं ऐसा प्रतीत होता है कि इन तीर्थ स्थानों से निकलकर देवी-देवता चिकित्सा कर्मियों के रूप में अस्पतालों में विराजमान हो गए हैं और समस्त मानव जाति की सेवा में सन्नद्ध हो गए हैं। इन्हीं में से एक हैं बनारस रेल इंजन कारखाना के प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सुजीत मल्लीक,बनारस रेल इंजन कारखाना की महाप्रबंधक अंजली गोयल के कुशल नेतृत्व में दिन-रात लगातार 15-16 घंटे ड्यूटी करने के बावजूद डा0 मल्लीक के चेहरे पर थकान नहीं दिखाई पड़ती ।अपने अधीनस्थ चिकित्सकों और चिकित्सा कर्मियों के अस्वस्थ हो जाने पर भी अपेक्षाकृत कम सहयोगियों के साथ ये अपने कर्तव्य पर डटे रहते हैं। मरीजों की तीमारदारी हो अथवा प्रशासनिक कार्य, सहकर्मियों की पीड़ा हो अथवा सार्वजनिक व्यवस्था, सभी मोर्चों पर डा0 मल्लीक सदैव सजग रहते हैं। बरेका केंद्रीय चिकित्सालय को कोविड सेंटर बनाए जाने के बाद बढ़ी हुई जिम्मेदारियों के दृष्टिगत बाहर के भी कोविड मरीजों की देखभाल और बरेका के नियमित मरीजों के लिए अलग से अस्थाई चिकित्सालय की व्यवस्था तथा उसका सकुशल संचालन एक चुनौती पूर्ण कार्य है, जिसे डॉ0 मल्लीक और उनकी टीम पूरी तन्मयता के साथ कर रही है। कोविड वार्ड में मरीजों की देखभाल, 18 वर्ष से अधिक के बरेका कर्मियों, उनके परिजनों एवं बाहरी व्यक्तियों का टीकाकरण, नियमित एवं आकस्मिक मरीजों की चिकित्सा में डॉ0 मल्लीक जी-जान से जुटे रहते हैं। समर्पित सेवाभाव और चिकित्सक के फ़र्ज़ को ऊंचाई प्रदान करने वाले डॉ0 सुजीत मल्लिक के जज्बे और हौसले के समक्ष सभी बरेकाकर्मी नतमस्तक हैं।

<u>परफेक्ट मिशन, वाराणसी</u>

<u>दिनांक: 06.05.2021</u>

बरेका केन्द्रीय चिकित्सालय के मसीहा डा. सुजीत मलिक के चिकित्सा से कोविड मरीजो को मिल रही राहत

परफेक्ट मिशन/वाराणसी

इंसान अपने ही कर्मों से भगवान या शैतान का दर्जा प्राप्त करता है। भयंकर महामारी के वर्तमान दौर में जहां मंदिर मस्जिद गुरुद्वारे बंद हैं, वही ऐसा प्रतीत होता है कि इन तीर्थ स्थानों से निकलकर देवी देवता चिकित्सा कर्मियों के रूप में अस्पतालों में विराजमान हो गए हैं, और समस्त मानव जाति की सेवा में शामिल हो गए हैं। इन्हीं में से एक है बनारस रेल इंजन कारखाना के प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुजीत मलिक । बनारस रेल इंजन कारखाना की महाप्रबंधक अंजलि गोयल के कुशल नेतृत्व में दिन रात

लगातार 15 से 16 घंटे ड्यूटी करने के बावजूद डॉक्टर मलिक के चेहरे पर थकान नहीं दिखाई पड़ती। अपने अधीनस्थ चिकित्सकों और चिकित्सा कर्मियों के अस्वस्थ हो जाने पर भी अपेक्षाकृत कम सहयोगी यों के साथ ये अपने कर्तव्य पर डटे रहते हैं। मरीजों की तीमारदारी हो या प्रशासनिक कार्य, सहकर्मियों की पीड़ा हो अथवा सार्वजनिक व्यवस्था सभी मोर्चे पर डॉक्टर मलिक सदैव सजग व तत्पर रहते हैं। बरेका के केन्द्रीय चिकित्सालय को कोविड सेंटर बनाए जाने के बाद बढ़ी हुई जिम्मेदारियों के दृष्टिगत बाहर के भी कोविड मरीजो की देखभाल और बरेका के नियमित मरीजों के लिए अलग से अस्थाई चिकित्सालय की व्यवस्था तथा उसका सकुशल संचालन एक चुनौतीपूर्ण कार्य है जिसे डॉक्टर मलिक और उनकी पूरी टीम तन्मयता के साथ निभा रही है।